जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

जैन विद्या भाग - 5 प्रवेश परीक्षा

अ

(जैन विद्या भाग-1 एवं 2 के पाठ्यक्रम से)

समय : 1 घण्टा प्रश्न पत्र : प्रथम पूर्णांक 50

नामांक अंको में .....

शब्दों में.....

नोट- सब प्रश्नों के अंक समान है

1. 'पुरिसा ! तुमंसि नाम सच्चेव' अर्हत् वंदना के किस सूत्र में है?

   (अ) अहिंसा-सूत्र (ब) सत्य-सूत्र

   (स) साम्य-सूत्र (द) मोक्ष-सूत्र ( )

2. पच्चीस गुणों से सुशोभित होते हैं-

   (अ) साधु (ब) आचार्य

   (स) उपाध्याय (द) अरिहंत ( )

3. दिक् कुमार का दण्डक है-

   (अ) सातवां (ब) तीसरा

   (स) नौंवा (द) आठवां ( )

4. सतरहवां बोल है-

   (अ) दृष्टि तीन (ब) ध्यान चार

   (स) द्रव्य छः (द) लेश्या छः ( )

5. भगवान ऋषभ ने अपनी पुत्री सुन्दरी को अध्ययन कराया-

   (अ) 18 लिपियों का (ब) गणित का

   (स) 72 कलाओं का (द) इनमें कोई नहीं ( )

6. आचार्य भारमलजी का जन्म हुआ-

   (अ) बड़ी रावलियां (ब) मुहां ग्राम

   (स) छोटी रावलियां (द) कंटालिया ( )

7. धर्म प्रचार हेतु थली प्रदेश में सर्वप्रथम पधारने वाले आचार्य थे-

   (अ) आचार्य भारमलजी (ब) आचार्य रायचन्दजी

   (स) आचार्य जीतमलजी (द) आचार्य मघराजजी ( )

8. जयाचार्य के शासनकाल में दीक्षाएं हुई–

(अ) 230 (ब) 330

(स) 117 (द) 226 ( )

9. ठहरने में सहयोग देने वाला द्रव्य है–

(अ) धर्मास्तिकाय (ब) अधर्मास्तिकाय

(स) आकाशास्तिकाय (द) जीवास्तिकाय ( )

10. 19 वर्ष की अवस्था में जयाचार्य ने कौनसे सूत्र का पद्यानुवाद किया–

(अ) उत्तराध्ययन सूत्र (ब) प्रज्ञापना सूत्र

(स) दशवैकालिक सूत्र (द) आचारांग सूत्र ( )

11. 'पडिक्कमामि' का अर्थ है–

(अ) प्रत्याख्यान करता हूँ (ब) निवृत होता हूँ

(स) प्रवृत होता हूँ (द) पालन करता हूँ ( )

12. रूप को जानने वाली कौनसी इन्द्रिय है?

(अ) रसनेन्द्रिय (ब) घ्राणेन्द्रिय

(स) चक्षुरिन्द्रिय (द) स्पर्शनेन्द्रिय ( )

13. योग का अर्थ है–

(अ) आवृत्ति (ब) प्रवृत्ति

(स) निवृत्ति (द) ब, स दोनो ( )

14. पानी किस काय के जीवों का शरीर है–

(अ) पृथ्वीकाय (ब) त्रसकाय

(स) अप्काय (द) वनस्पतिकाय ( )

15. एषणा समिति का अर्थ है–

(अ) शुद्ध आहार, पानी की गवेषणा (ब) निरवद्य बोलना

(स) देखकर चलना (द) वस्त्र, पात्र आदि सावधानी से लेना रखना ( )

16. भगवान के 11 गणधर किस जाति के थे?

(अ) ब्राह्मण (ब) क्षत्रिय

(स) वैश्य (द) शुद्र ( )

17. आचार्य महाप्रज्ञजी जब दीक्षित हुए तब उनकी उम्र थी–

(अ) 14 वर्ष (ब) 11 वर्ष

(स) 9 वर्ष (द) 10 वर्ष ( )

18. आचार्य भिक्षु ने रुघनाथजी के पास दीक्षा ली–

(अ) राजनगर (ब) बगड़ी

(स) केलवा (द) कंटालिया ( )

19. ग्यारह पंडितों के शिष्य थे–

(अ) 4000 (ब) 4400

(स) 4100 (द) 4500 ( )

20. हमारा परम धर्म है–

(अ) क्रोध (ब) क्षमा

(स) मान (द) माया ( )

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

1. बुद्धि, ज्ञान, विवेक तर्क को, ...बनायें।
2. परमेष्ठी वंदना के रचनाकार..... है।
3. आचार्य संघ के .....होते हैं।
4. जैन धर्म में मंगलपाठ को .....की तरह ही मंत्र माना जाता है।
5. तीर्थंकर को भगवान, जिन, अर्हत.....भी कहा जाता है।
6. सुधर्मा स्वामी के पश्चात उनके प्रमुख शिष्य.....ने गण भार संभाला।
7. आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का महाप्रयाण वि.सं. .....को हुआ।
8. जैन धर्म का मुख्य सिद्धान्त.....और.....है।
9. धर्म के उपाय.....और.....है।
10. आचार्य का निर्वाचन.....ही करते हैं।
11. ....., सहज परम प्रसन्न है।
12. जो वस्तुओं की पर्यायों को बदलने में हेतुभूत बनता है उसे .....कहते हैं।
13. कर्म ग्रहण करने वाले जीव के परिणाम को .....कहते हैं।
14. बाहुबली ने .....के कारण पिता ऋषभ के साथ दीक्षा नहीं ली।
15. अंक 32 के भांगे .....होते हैं।
16. .....वर्ष की साधना के बाद ऋषभ को केवलज्ञान प्राप्त हुआ।
17. वर्तमान में हमारे देव .....हैं।
18. भगवान ऋषभ.....और.....के प्रवर्तक थे।
19. साधु–साध्वी, श्रावक–श्राविका इनका सम्मिलित रूप.....कहलाता है।

20. सामायिक का काल पूर्ण होने पर..... पाठ बोला जाता है।

सही और गलत का चयन कर (✓) या (✗) का चिन्ह लगाएं-

1. नारियल, रोली, चावल आदि लोकोत्तर मंगल है। ( )
2. तीर्थ की स्थापना करने वाले सिद्ध भगवान होते हैं। ( )
3. तेरापंथ की स्थापना 1816 केलवा में हुई। ( )
4. परमेष्ठी वंदना में पांचों परमेष्ठियों के गुणों का वर्णन है। ( )
5. सरदारांजी ने एक रात में साध्वियों के 123 सिंघाड़े निर्मित किये। ( )
6. एकेन्द्रिय जीवों से पंचेन्द्रिय जीवों का पोषण करने में पाप नहीं होता। ( )
7. भवनपति देवता दस प्रकार के होते हैं। ( )
8. पांच अनुत्तर विमान में उत्पन्न होने वाले देव कल्पोपन्न कहलाते हैं। ( )
9. श्रमण धर्म के 12 प्रकार है। ( )
10. अपरिग्रह का आधार है-मूर्च्छा और ममत्व का भाव। ( )